

८८ लोग देश-विदेश से इस ब्रज में होली देखने आते हैं। मुझे भी देश के विभिन्न प्रांतों में होली का प्रदर्शन मंचों पर करने का अवसर मिला। अब दुख होता है कि ब्रज में जो पुराने समय से होली खेली जाती रही उसमें भारी कमी आई है। बसंत पंचमी से 41 दिन की होली ब्रज में खेली जाती है जो मात्र अब मंदिरों तक सिमट कर रह गई है।



- देवेंद्र पाल, वरिष्ठ कलाकार

८८ कलाकारों को प्रोत्साहन मिलना बेहद जरूरी है। खासकर, ब्रज की लोक संस्कृति से जुड़े कलाकारों को एक पहचान की जरूर है। सरकार से अपेक्षा है कि वे अन्य प्रांतों की तरह ब्रज के कलाकारों को देश-विदेश के मंच पर मौका दें, ताकि ब्रज की लोक संस्कृति का और अधिक प्रचार-प्रसार हो सके।



- कमल पचौरी, नृत्य, अभिनय

८८ यहां ब्रज की होली और संस्कृति का प्रचार प्रसार करने वाली संस्थाएं न के बराबर



है। ब्रज भाषा, लोक कला, होली आदि का कोई प्रशिक्षण केंद्र भी नहीं है। प्रदेश सरकार को ब्रज लोक कलाकारों और प्रशिक्षण केंद्रों को प्रोत्साहन राशि के रूप में आर्थिक सहायता संस्थान

सम्मान व सुरक्षा देनी चाहिए। शासन-प्रशासन को ब्रज की लोक संस्कृति व लोक कलाओं को बढ़ाने के लिए कोई योजना बनानी चाहिए।

साजन चतुर्वेदी, गायक, अभिनय

८८ मैं हजारों विद्यार्थियों को ब्रज लोक कला में पारंगत करने के पश्चात उनकी कला संस्कृति पर कार्य कर रही हूं। यहां की परंपराओं के प्रति रुचि पैदा करने का काम कर रही हूं। अपनी संस्कृति की सेवा करना ही मेरा धर्म एवं कर्म है। ब्रज की लोक संस्कृति और यहां की परंपराओं को कायम रखने की जरूरत है।

- वंदनाश्री



ब्रज के लोक नृत्य की प्रस्तुति देते कलाकार (फाइल फोटो)।



कला
जाए 3
प्रदान

८८